



भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 25 अप्रैल, 2026

जारी करने का समय: 1330 घंटे

- विषय:(i) अगले 3 दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिमी और मध्य भारत में लू चलने की संभावना है, जिसके बाद इसमें कमी आएगी।
- (ii) इस सप्ताह के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, तथा उत्तर-पूर्वी भारत में गरज-चमक, बिजली कड़कने और तेज़ हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटा) के साथ काफी व्यापक से लेकर व्यापक वर्षा होने की संभावना है। इस सप्ताह के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, तथा उत्तर-पूर्वी भारत में कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी वर्षा होने की भी संभावना है।
- (iii) अगले एक सप्ताह के दौरान पूर्वी भारत में; 28 अप्रैल से 01 मई के दौरान उत्तर-पश्चिमी भारत में; 27-29 अप्रैल के दौरान मध्य भारत में; और 28-30 अप्रैल के दौरान दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में भी गरज-चमक के साथ मौसम संबंधी गतिविधियां होने की संभावना है।

आज, 25 अप्रैल, 2026 को सुबह 0830 बजे (भारतीय समयानुसार) तक पिछले 24 घंटों के दौरान दर्ज मौसम:

- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, तथा असम के कुछ अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ असम और मेघालय, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात और उत्तराखंड के कुछ अलग-अलग स्थानों पर गरज-चमक के साथ तेज़ हवाएँ (जिनकी गति 30-70 किमी प्रति घंटा तक पहुँच गई) चलीं।
- ❖ हिमाचल प्रदेश के कुछ अलग-अलग स्थानों पर लू से लेकर भीषण लू की स्थिति बनी रही; हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, तथा पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ स्थानों पर लू की स्थिति रही; और जम्मू-कश्मीर, पंजाब, पूर्वी उत्तर प्रदेश तथा उत्तरी राजस्थान के कुछ अलग-अलग स्थानों पर लू की स्थिति बनी रही।
- ❖ हरियाणा में रात के समय भीषण गर्मी की स्थिति दर्ज की गई, जबकि राजस्थान में रात के समय गर्मी की स्थिति बनी रही।
- ❖ उत्तराखंड और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में ओलावृष्टि की सूचना मिली है।

पिछले 24 घंटों में तापमान की स्थिति (सुबह 0830 बजे IST तक):

- ❖ देश के ज्यादातर हिस्सों में, पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र, पूर्वोत्तर भारत से सटे पूर्वी भारत और पश्चिमी तट को छोड़कर, अधिकतम/दिन का तापमान 40-45°C की सीमा में रहा। सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान 45.2°C प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) में दर्ज किया गया।
- ❖ जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद के कई स्थानों पर; अरुणाचल प्रदेश और हिमाचल प्रदेश के ज्यादातर स्थानों पर; पूर्वी मध्य प्रदेश के कुछ स्थानों पर; असम और मेघालय, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली, पंजाब, पूर्वी राजस्थान, पश्चिमी मध्य प्रदेश, कोंकण और गोवा तथा छत्तीसगढ़ के अलग-

अलग स्थानों पर अधिकतम/दिन का तापमान सामान्य से काफी ज़्यादा ($> 5.1^{\circ}\text{C}$) रहा। उत्तराखंड के कई स्थानों पर; पश्चिमी राजस्थान के ज़्यादातर स्थानों पर; उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, ओडिशा, बिहार, गुजरात क्षेत्र और विदर्भ के कुछ स्थानों पर; झारखंड, सौराष्ट्र और कच्छ, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल तथा केरल और माहे के अलग-अलग स्थानों पर तापमान सामान्य से काफी ऊपर (3.1°C से 5.0°C) रहा। रायलसीमा और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक के कई स्थानों पर; नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम और त्रिपुरा के ज़्यादातर स्थानों पर; मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, तेलंगाना, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और लक्षद्वीप के कुछ स्थानों पर; अंडमान और निकोबार द्वीप समूह तथा तटीय आंध्र प्रदेश और यनम के अलग-अलग स्थानों पर तापमान सामान्य से ऊपर (1.6°C से 3.0°C) रहा। तटीय कर्नाटक के ज़्यादातर स्थानों पर तापमान सामान्य के आस-पास (-1.5°C से 1.5°C) रहा।

- ❖ जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, असम और मेघालय, मणिपुर, नागालैंड तथा तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में न्यूनतम/रात का तापमान $13-19^{\circ}\text{C}$ की सीमा में रहा। देश के मैदानी इलाकों के बाकी हिस्सों में यह $20-26^{\circ}\text{C}$ की सीमा में रहा। **आज, भारत के मैदानी इलाकों में सबसे कम न्यूनतम तापमान 20.5°C नजीबाबाद (पश्चिमी उत्तर प्रदेश) में दर्ज किया गया।**
- ❖ न्यूनतम/रात का तापमान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद, हिमाचल प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल और सिक्किम, मराठवाड़ा, मध्य महाराष्ट्र में सामान्य से काफी ज़्यादा (3.1°C से 5.0°C) रहा; पूर्वी राजस्थान, मध्य प्रदेश, केरल और माहे, असम और मेघालय, मिज़ोरम, नागालैंड, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में सामान्य से ज़्यादा (1.6 से 3.0°C) रहा; छत्तीसगढ़ और ओडिशा में सामान्य से कम (-3.0°C से -1.6°C) रहा और देश के बाकी हिस्सों में सामान्य के आस-पास रहा।

मौसम प्रणालियां, पूर्वानुमान एवं चेतावनियां (अनुलग्नक I एवं II देखें):

- ❖ पश्चिमी विक्षोभ (Western Disturbance) मध्य क्षोभमंडल की पछुआ हवाओं में एक गर्त (trough) के रूप में मौजूद है, जिसका अक्ष समुद्र तल से 5.8 km की ऊँचाई पर, लगभग 70°E देशांतर के साथ-साथ, 32°N अक्षांश के उत्तर में स्थित है।
- ❖ एक गर्त (trough) निचले क्षोभमंडल स्तरों में, मध्य उत्तर प्रदेश के उत्तरी भागों से लेकर पूर्वी राजस्थान होते हुए, पाकिस्तान से सटे दक्षिण-पश्चिमी राजस्थान तक फैला हुआ है।
- ❖ एक गर्त/पवन विच्छिन्नता (wind discontinuity) निचले क्षोभमंडल स्तरों में, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक से लेकर दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक और तमिलनाडु होते हुए, कोमोरिन क्षेत्र तक फैली हुई है।
- ❖ निचले और मध्य क्षोभमंडल स्तरों में, आंतरिक महाराष्ट्र और उसके आसपास के क्षेत्रों पर एक प्रति-चक्रवाती परिसंचरण (Anti-cyclonic circulation) बना हुआ है।
- ❖ समुद्र तल से 1.5 km की ऊँचाई पर पछुआ हवाओं में एक गर्त (trough) बना हुआ है, जो लगभग 93°E देशांतर के साथ-साथ, 22°N अक्षांश के उत्तर में स्थित है।

उपरोक्त प्रणालियों के प्रभाव से संभावित मौसम:

उत्तर-पश्चिम भारत:

- ❖ 25 से 28 तारीख के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में गरज, बिजली और तेज़ हवाओं (जिनकी गति $30-50\text{ kmph}$ तक पहुँच सकती है) के साथ हल्की से मध्यम बारिश/बर्फबारी होने की संभावना है; 28 से 30 तारीख के दौरान हिमाचल प्रदेश में और 25, 26 और 28 से 30 अप्रैल के दौरान उत्तराखंड में कुछ जगहों पर या छिटपुट बारिश हो सकती है।
- ❖ 27 से 30 तारीख के दौरान पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में; 28 से 30 तारीख के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; 28 अप्रैल से 01 मई के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में और 27 से 29 अप्रैल के दौरान राजस्थान में गरज, बिजली और तेज़ हवाओं (जिनकी गति $30-40\text{ kmph}$ तक पहुँच सकती है) के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत:

- ❖ अरुणाचल प्रदेश में 25 से 28 तारीख के दौरान; असम और मेघालय में 27 अप्रैल से 01 मई के दौरान; और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 25 से 29 अप्रैल के दौरान, गरज, बिजली और तेज़ हवाओं (जिनकी गति 30-40 kmph तक पहुँच सकती है) के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। यह बारिश काफी बड़े इलाके से लेकर व्यापक क्षेत्र तक हो सकती है।
- ❖ असम और मेघालय में 25 और 26 अप्रैल को गरज के साथ तेज़ हवाएँ (हवा की गति 50-60 kmph तक पहुँच सकती है, और झोंकों में 70 kmph तक जा सकती है) चलने की संभावना है।
- ❖ अरुणाचल प्रदेश में 25, 26 और 29 तारीख को; असम और मेघालय में 25 और 26 तारीख को; तथा नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 27 से 30 तारीख के दौरान, कुछ जगहों पर भारी बारिश होने की संभावना है। इसके अलावा, अरुणाचल प्रदेश में 27, 28, 30 अप्रैल और 01 मई को; तथा असम और मेघालय में 27 अप्रैल से 01 मई के दौरान, कुछ जगहों पर बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

मध्य भारत:

- ❖ मध्य प्रदेश में 27 से 29 अप्रैल के दौरान; छत्तीसगढ़ में 25 से 29 अप्रैल के दौरान; और विदर्भ में 28 और 29 अप्रैल को, गरज-चमक, बिजली कड़कने और तेज़ हवाओं (जिनकी गति 30-50 किमी प्रति घंटा तक पहुँच सकती है) के साथ कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

पूर्वी भारत:

- ❖ 25 अप्रैल से 1 मई के दौरान पश्चिम बंगाल और सिक्किम, बिहार, झारखंड, ओडिशा में गरज-चमक, बिजली कड़कने और तेज़ हवाओं (गति 30-50 kmph तक) के साथ कहीं-कहीं से लेकर छिटपुट हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 25 तारीख को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 26 तारीख को गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल और झारखंड में; 26 और 27 तारीख को बिहार में; तथा 26 से 28 अप्रैल के दौरान झारखंड में गरज के साथ तेज़ हवाओं (हवा की गति 50-60 kmph, झोंकों में 70 kmph तक) चलने की संभावना है।
- ❖ 25 अप्रैल से 1 मई के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 26 और 27 अप्रैल को झारखंड में कहीं-कहीं ओलावृष्टि होने की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- ❖ 28 और 29 तारीख को तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, रायलसीमा और तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में; 27 से 29 तारीख के दौरान केरल और माहे में; 25 से 29 तारीख के दौरान तेलंगाना में; 25 से 29 तारीख के दौरान आंतरिक कर्नाटक में, और 25 और 26 अप्रैल को केरल और माहे में, गरज-चमक, बिजली कड़कने और तेज़ हवाओं (जिनकी गति 30-50 किमी प्रति घंटा तक पहुँच सकती है) के साथ कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 25 से 27 अप्रैल के दौरान उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में कहीं-कहीं ओलावृष्टि होने की संभावना है।

पश्चिमी भारत

- ❖ 25 और 26 अप्रैल को मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में गरज, बिजली चमकने और तेज़ हवाओं (जिनकी गति 30-50 किमी प्रति घंटा तक पहुँच सकती है) के साथ कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

अधिकतम तापमान का पूर्वानुमान:

- ❖ पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में 27 अप्रैल तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है, और उसके बाद 28 अप्रैल से 1 मई के बीच इसमें धीरे-धीरे 2-3°C की गिरावट आ सकती है।
- ❖ उत्तर-पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों में 27 अप्रैल तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है, और उसके बाद 28 अप्रैल से 1 मई के बीच इसमें धीरे-धीरे 2-4°C की गिरावट आ सकती है।
- ❖ पूर्वी भारत में 26 तारीख तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है, और 27 अप्रैल से 1 मई के बीच इसमें धीरे-धीरे 3-4°C की गिरावट आ सकती है।
- ❖ पूर्वोत्तर क्षेत्र में 27 तारीख तक अधिकतम तापमान में धीरे-धीरे 3-6°C की गिरावट आने की संभावना है, और उसके बाद 28 अप्रैल से 1 मई के बीच इसमें कोई खास बदलाव नहीं होगा।
- ❖ महाराष्ट्र में 25 तारीख तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है, और उसके बाद 26 अप्रैल से 1 मई के बीच इसमें धीरे-धीरे 2-4°C की गिरावट आ सकती है।
- ❖ गुजरात राज्य में 26 अप्रैल तक अधिकतम तापमान में धीरे-धीरे 2-3°C की बढ़ोतरी होने की संभावना है, और 27 अप्रैल से 1 मई के बीच इसमें 2-4°C की गिरावट आ सकती है।
- ❖ देश के बाकी हिस्सों में अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है।

ऊष्ण लहर, गर्म और आर्द्र मौसम, गरम रात की चेतावनी:

- ❖ 25 से 27 तारीख के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली तथा मध्य भारत के कुछ इलाकों में लू चलने की बहुत ज्यादा संभावना है; राजस्थान में 25 और 26 तारीख को; और बिहार में 25 अप्रैल को।
- ❖ 25 तारीख को गंगा से सटे पश्चिम बंगाल के कुछ इलाकों में; 25 से 27 तारीख के दौरान ओडिशा में; 25 और 26 तारीख को त्रिपुरा, कोंकण और गोवा, गुजरात राज्य, तटीय कर्नाटक, केरल और माहे में; तथा 25 से 29 अप्रैल के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल के कुछ इलाकों में गर्म और उमस भरा मौसम रहने की बहुत ज्यादा संभावना है।
- ❖ 25 और 26 तारीख को पंजाब और उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में; 25 से 27 तारीख के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में; तथा 27 और 28 अप्रैल को मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के कुछ इलाकों में रातें गर्म रहने की बहुत ज्यादा संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 24 अप्रैल से 29 अप्रैल, 2026 के दौरान निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाएं:

- ❖ बंगाल की खाड़ी: 26, 27 और 28 अप्रैल को उत्तरी ओडिशा और पश्चिम बंगाल के तटों के पास और उनसे दूर, तथा बंगाल की खाड़ी के उत्तर-पश्चिमी हिस्से के कुछ अलग-अलग भागों में।
- ❖ अरब सागर: कोई चेतावनी नहीं।

दिल्ली/एनसीआर में मौसम स्थिति एवं पूर्वानुमान: 25 अप्रैल से 28 अप्रैल 2026 (अनुलग्नक III देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

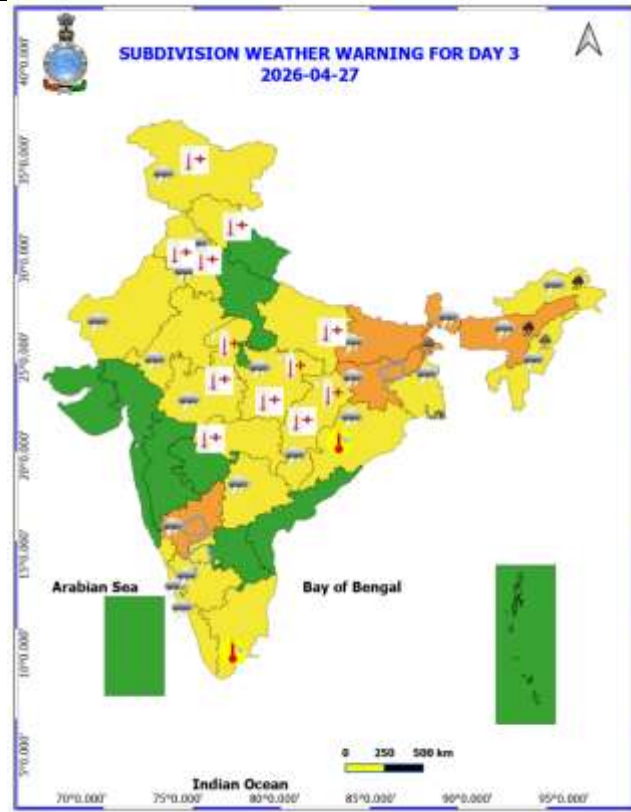
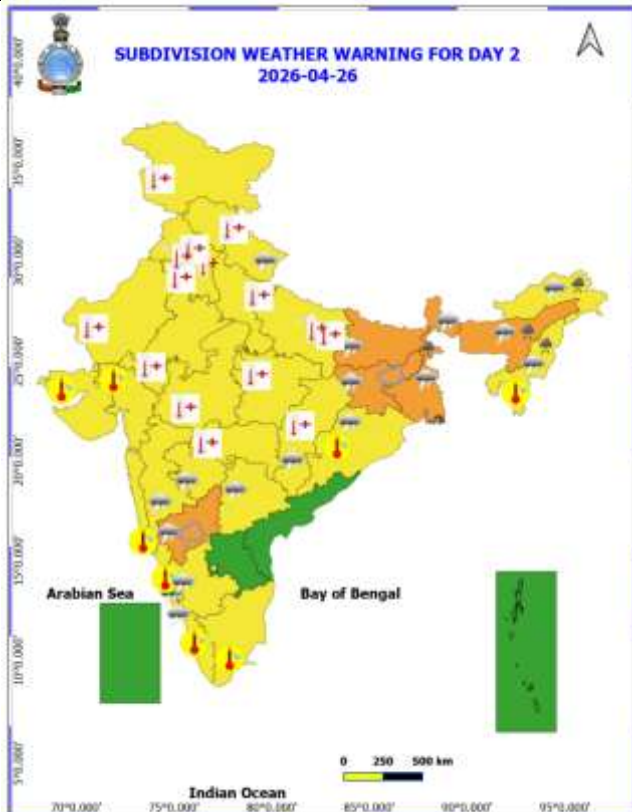
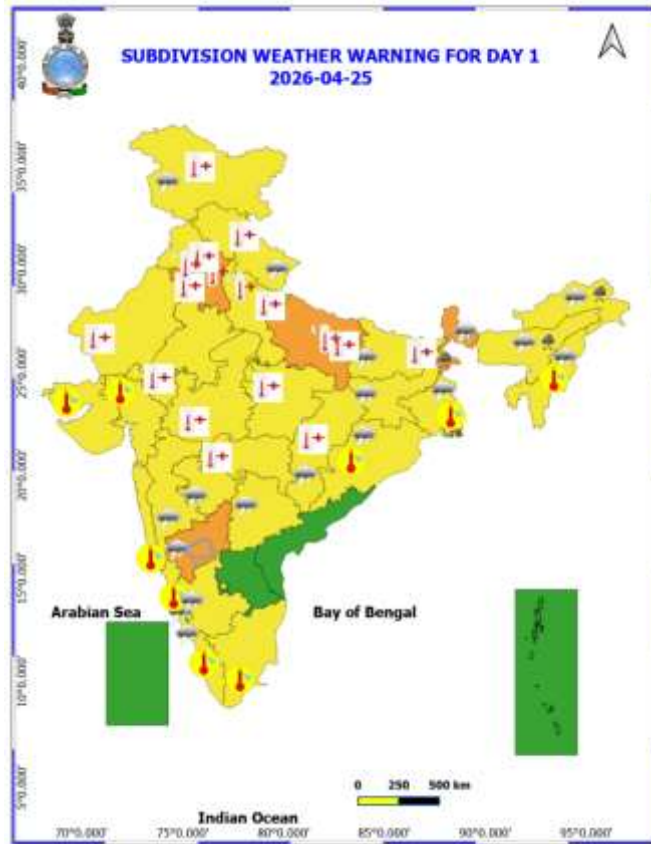
मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

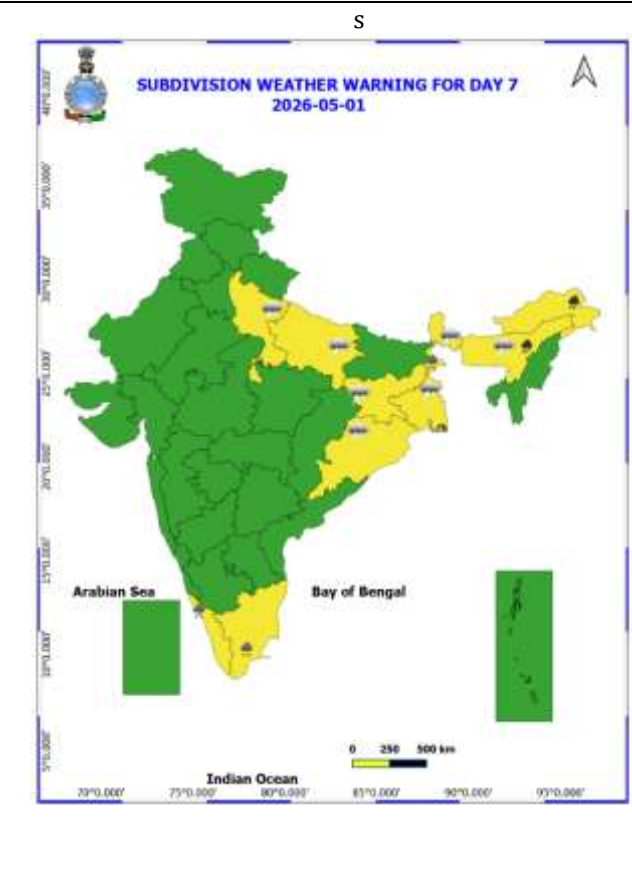
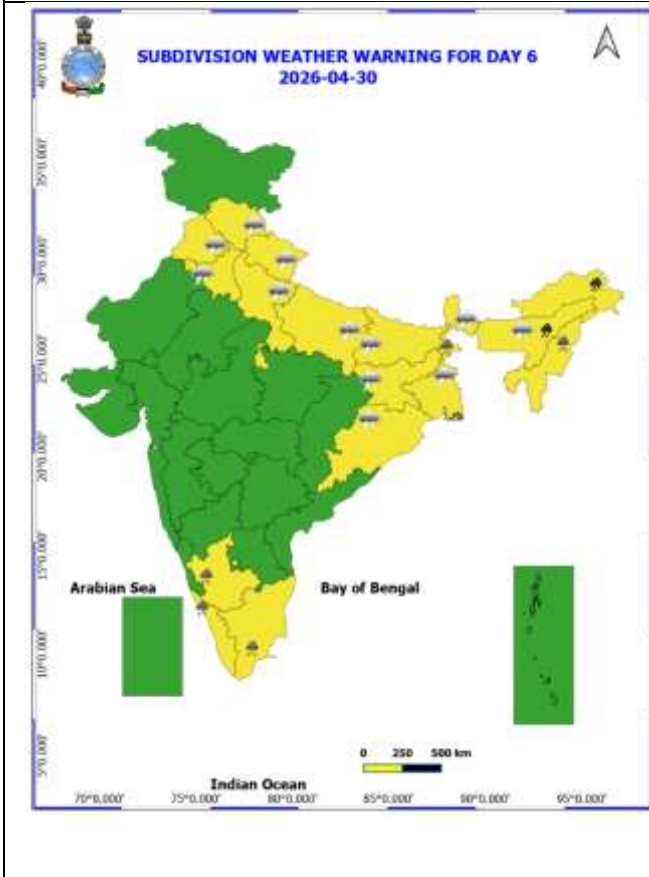
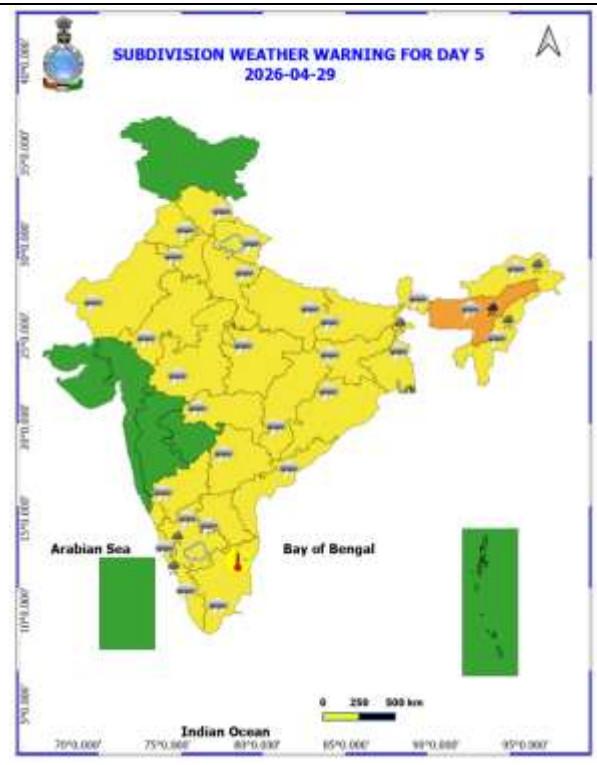
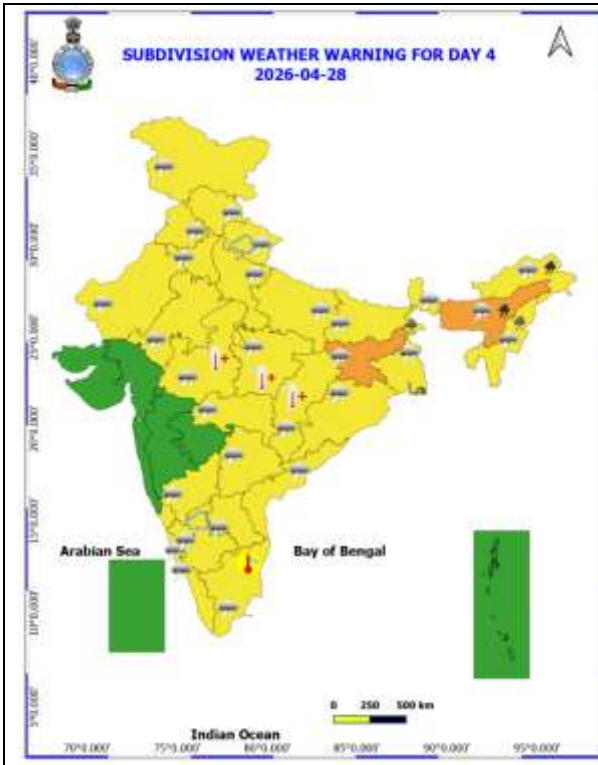
पिछले 24 घंटों से (भारतीय समयानुसार सुबह 8:30 बजे तक) तेज हवाएं चल रही हैं (अधिकतम गति किमी प्रति घंटा में):

- ❖ असम और मेघालय: मंगलदाई 70, मानस 56, ज़र्स_शिलॉन्गानी 54, केवीके_जोरहाट 46, केवीके_दारांग 44, नेरीवालम 41, बिश्वनाथ_कॉलेज_ऑफ_एग्रीकल्चर_बिस्वनाथ_चारियाली 41, सीएनबी_कोलाज_बोकाखाट 39, केवीके_उदलगुरी 39, डाउन_टाउन_यूनिवर्सिटी 35, सलाकाती_एजीसीएल 35
- ❖ मध्य महाराष्ट्र: नियास्म_बारामती (पुणे) 65, तलेगांव (पुणे) 57, राजगुरुनगर (पुणे) 52
- ❖ गुजरात क्षेत्र: एआरएस अरनेज (अहमदाबाद) 56
- ❖ मराठावाड़ा: परभणी_एएमएफ्यू (परभणी) 48, अंबेजोगाई (बीड) 46, तुल्गा (धाराशिव) 37
- ❖ सौराष्ट्र एवं कच्छ: खावड़ा (कच्छ) 43
- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम: पुंडीबारी 41
- ❖ जम्मू-कश्मीर: कुपवाड़ा, गुलमर्ग 39
- ❖ पंजाब: संगरूर 35
- ❖ हरियाणा: उचानी (करनाल) 33
- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश: उज्जैन 43, सीहोर 39, इंदौर 37, धार 35, बड़वानी 33, विदिशा 31, भोपाल 31, अशोकनगर 31, आगर 30, गुना 30
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश: जबलपुर 44, सागर 39, रीवा 37, सतना 31
- ❖ कोंकण और गोवा: IIG_MO_अलीबाग (रायगढ़) 30
- ❖ उत्तराखंड: पंतनगर (एएमएफ्यू) 30, रानीचौरी 30

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	25- Apr	26- Apr	27- Apr	28- Apr	29- Apr	30- Apr	1- May
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
2	ARUNACHAL PRADESH	FWS	WS	WS	WS	FWS	WS	WS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	FWS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	ISOL	SCT	SCT	SCT	FWS	WS	WS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
6	GANGETIC WEST BENGAL	ISOL	FWS	FWS	SCT	FWS	FWS	SCT
7	ODISHA	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	ISOL
8	JHARKHAND	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL
9	BIHAR	ISOL	SCT	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
10	EAST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	ISOL	SCT	SCT	SCT
11	WEST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	ISOL	ISOL	SCT	SCT	ISOL
12	UTTARAKHAND	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	FWS	FWS	SCT
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	ISOL	DRY	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
14	PUNJAB	ISOL	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
15	HIMACHAL PRADESH	ISOL	SCT	ISOL	SCT	SCT	SCT	ISOL
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	SCT	DRY	SCT	FWS	SCT	SCT	ISOL
17	WEST RAJASTHAN	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY
19	WEST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
20	EAST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
21	GUJRAT REGION	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
22	SAURASHTRA & KUTCH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
23	KONKAN & GOA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
24	MADHYA MAHARASHTRA	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	ISOL	DRY
25	MARATHWADA	ISOL	ISOL	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY
26	VIDARBHA	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY
27	CHHATTISGARH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY
30	RAYALASEEMA	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT
32	COSTAL KARNATAKA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	ISOL
35	KERALA AND MAHE	ISOL	ISOL	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
36	LAKSHADWEEP	SCT	DRY	DRY	SCT	SCT	SCT	SCT

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

25 अप्रैल से 28 अप्रैल 2026 के दौरान दिल्ली/NCR का मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है, जबकि न्यूनतम तापमान में 1-2°C की बढ़ोतरी हुई है। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान 42-43°C की सीमा में और न्यूनतम तापमान क्रमशः 24-27°C की सीमा में रहा। न्यूनतम तापमान कुछ स्थानों पर सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) और दिल्ली के शेष हिस्सों में सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहा। दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में आसमान मुख्य रूप से साफ रहा और सतह पर हवा की गति पश्चिम दिशा से 20 kmph तक रही। आज सुबह के समय इस क्षेत्र में आसमान मुख्य रूप से साफ रहने और सतह पर हवा की गति पश्चिम दिशा से 16 kmph तक रहने की संभावना है।

मौसम का पूर्वानुमान:

25.04.2026: आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। कुछ स्थानों पर लू (Heat wave) की स्थिति रहेगी। दोपहर/शाम के समय गरज के साथ बहुत हल्की बारिश होने की संभावना है। दिन के दौरान सतह पर हवा की गति 15-25 kmph तक रहेगी, जो झोंकों के साथ 35 kmph तक पहुँच सकती है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 42°C से 44°C की सीमा में रहने की संभावना है। दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी अधिक (3.0°C से 5.1°C) रहेगा। दोपहर के समय सतह पर हवा मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से चलेगी और इसकी गति 20 kmph तक पहुँच सकती है। शाम और रात के समय सतह पर हवा की गति धीरे-धीरे कम होकर उत्तर-पश्चिम दिशा से 15 kmph से भी कम हो जाएगी।

26.04.2026: आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। कुछ अलग-अलग स्थानों पर लू की स्थिति रहेगी। दिन के दौरान सतह पर हवा की गति 20-30 kmph तक रहेगी, जो झोंकों के साथ 40 kmph तक पहुँच सकती है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 41°C से 43°C और 25°C से 27°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान कई जगहों पर सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहेगा, जबकि कुछ अलग-अलग जगहों पर यह सामान्य से काफी अधिक (3.0°C से 5.1°C) हो सकता है; वहीं, दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहेगा। सतह पर चलने वाली मुख्य हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से आने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 15 kmph तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय, सतह पर चलने वाली हवा की गति उत्तर-पश्चिम दिशा से बढ़कर 25 kmph तक पहुँच जाएगी। शाम और रात के समय, सतह पर चलने वाली हवा की गति कम होकर उत्तर-पश्चिम दिशा से 15 kmph तक रह जाएगी।

27.04.2026: आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दोपहर/शाम के समय गरज-चमक के साथ बहुत हल्की बारिश होने की संभावना है। दिन के दौरान सतह पर चलने वाली हवाओं की गति लगातार 30-40 kmph रहेगी, जो झोंकों के रूप में 50 kmph तक पहुँच सकती है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 41°C से 43°C और 25°C से 27°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान कई जगहों पर सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहेगा, जबकि कुछ अलग-अलग जगहों पर यह सामान्य से काफी अधिक (3.0°C से 5.1°C) हो सकता है; वहीं, दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी अधिक (3.0°C से 5.1°C) रहेगा। सतह पर चलने वाली मुख्य हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से आने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 15 kmph तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय, सतह पर चलने वाली हवा की गति पश्चिम दिशा से बढ़कर 25 kmph से अधिक हो जाएगी। शाम और रात के समय, सतह पर चलने वाली हवा की गति कम होकर पश्चिम दिशा से 15 kmph से कम रह जाएगी।

28.04.2026: आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे, जो बाद में आमतौर पर बादलों से घिरा हो जाएगा। दिन के दौरान बहुत हल्की बारिश/बूदाबांदी के साथ-साथ आंधी/बिजली कड़कने/तेज हवाएं चलने की संभावना है, जिनकी गति 30-40 kmph तक पहुंच सकती है और झोंकों में 50 kmph तक हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 40°C से 42°C और 26°C से 28°C के बीच रहने की संभावना है। कई जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहेगा, और कई जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहेगा, जबकि दिल्ली में कुछ अलग-अलग जगहों पर यह सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) हो सकता है। सतह पर चलने वाली मुख्य हवा दक्षिण-पश्चिम दिशा से होने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 10 kmph तक पहुंच सकती है। दोपहर के समय सतह पर हवा की गति बढ़कर 15 kmph तक हो जाएगी और यह दक्षिण-पूर्व दिशा से चलेगी। शाम और रात के समय सतह पर हवा की गति कम होकर 12 kmph तक रह जाएगी और यह उत्तर-पूर्व दिशा से चलेगी।

लू (Heat Wave) की स्थितियों के कारण अपेक्षित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:

- चेतावनी: लू की स्थितियां अपेक्षित हैं; हालांकि, तापमान सामान्य से ऊपर रहने की संभावना है। स्वास्थ्य के लिए मध्यम स्तर का जोखिम हो सकता है, विशेष रूप से कमजोर समूहों जैसे कि शिशुओं, बुजुर्गों और पुरानी बीमारियों से पीड़ित व्यक्तियों के लिए।
- परामर्श: लंबे समय तक गर्मी के संपर्क में रहने से बचें। हल्के वजन वाले, हल्के रंग के और ढीले सूती कपड़े पहनें। बाहर निकलते समय अपने सिर को कपड़े, टोपी या छाते से ढकें।

छिटपुट तूफान, बिजली गिरने, तेज हवाओं और ओलावृष्टि के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:

- ❖ असम और मेघालय में 25 और 26 तारीख को; उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 25 तारीख को; गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल और झारखंड में 26 तारीख को; बिहार में 26 और 27 तारीख को; और झारखंड में 26 से 28 अप्रैल के दौरान गरज के साथ तेज हवाएँ (हवा की गति 50-60 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है, और झोंकों में 70 किमी/घंटा तक हो सकती है) चलने की संभावना है।
- ❖ झारखंड में 26 और 27 तारीख को; और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में 25 से 27 अप्रैल के दौरान छिटपुट ओलावृष्टि होने की संभावना है।

संभावित प्रभाव:

- केले और पपीते के पेड़ों को मामूली से लेकर गंभीर नुकसान।
- शाखाएँ टूटने से बिजली और संचार लाइनों को मामूली से लेकर गंभीर नुकसान।
- ओलावृष्टि से बागानों, बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- खुले स्थानों पर ओलों से लोगों और मवेशियों को चोट लग सकती है।
- तेज हवाओं के कारण कमजोर ढाँचों को आंशिक नुकसान।
- कच्चे मकानों/दीवारों और झोपड़ियों को मामूली नुकसान।

सुझाए गए उपाय:

- लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की स्थिति पर नजर रखें और आवश्यकतानुसार सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- घर के अंदर रहें, खिड़कियाँ और दरवाजे बंद रखें और संभव हो तो यात्रा करने से बचें।
- सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें।

- कंक्रीट के फर्श पर न लेटें और न ही कंक्रीट की दीवारों से टेक लगाकर खड़े हों।
- बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें।
- तुरंत पानी से बाहर निकल जाएँ।
- बिजली का संचालन करने वाली सभी वस्तुओं से दूर रहें।

बहुत भारी वर्षा/भारी वर्षा के कारण सुझाए गए प्रभाव और कार्रवाई:

- ❖ अरुणाचल प्रदेश में 25, 26 और 29 तारीख को; असम और मेघालय में 25 और 26 तारीख को; नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 27 से 30 तारीख के दौरान; और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 25 अप्रैल से 01 मई के दौरान कुछ जगहों पर भारी बारिश होने की संभावना है। इसके अलावा, अरुणाचल प्रदेश में 27, 28, 30 अप्रैल और 01 मई को; तथा असम और मेघालय में 27 अप्रैल से 01 मई के दौरान कुछ जगहों पर बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

अपेक्षित प्रभाव:

- निचले इलाकों और नदी तटों के कई हिस्सों में जलभराव/बाढ़।
- नगरपालिका सेवाओं (पानी, बिजली आदि) में स्थानीय और अल्पकालिक व्यवधान।
- यातायात प्रवाह में प्रमुख व्यवधान। प्रमुख सड़कें/स्थानीय ट्रेनें प्रभावित।
- बहुत पुरानी इमारतों और अनुरक्षित न की गई संरचनाओं के लिए खतरा, पेड़ों के गिरने की संभावना।
- निचले जल पुलों को पार करने वाली सड़कों का बंद होना।

सुझाई गई कार्रवाई:

- यातायात को प्रभावी ढंग से नियंत्रित किया जाए।
- प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को अपनी आवाजाही सीमित करने की सलाह दी जाती है।

उष्ण लहर के कारण सुझाए गए प्रभाव और कार्रवाई:

25 से 27 तारीख के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली तथा मध्य भारत के कुछ अलग-अलग हिस्सों में लू चलने की प्रबल संभावना है; वहीं राजस्थान में 25 और 26 तारीख को, तथा बिहार में 25 अप्रैल को लू चल सकती है।

अलर्ट क्षेत्र:

- ❖ लंबे समय तक धूप में रहने या भारी काम करने वाले लोगों में उच्च तापमान और लू के लक्षणों की संभावना बढ़ जाती है।
- ❖ शिशुओं, बुजुर्गों और पुरानी बीमारियों से पीड़ित लोगों जैसे संवेदनशील लोगों के लिए स्वास्थ्य संबंधी गंभीर चिंताएं हैं।
- ❖ गर्मी से बचें - शरीर को ठंडा रखें। निर्जलीकरण से बचें।
- ❖ पर्याप्त पानी पिएं - प्यास न लगने पर भी।
- ❖ शरीर को हाइड्रेटेड रखने के लिए ओआरएस, घर पर बने पेय पदार्थ जैसे लस्सी, तोरानी (चावल का पानी), नींबू पानी, छाछ आदि का सेवन करें।

ओलावृष्टि के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी सलाह

- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, झारखंड और आंतरिक कर्नाटक में, फलों के बागों और सब्जियों के पौधों को यांत्रिक क्षति से बचाने के लिए ओला-रोधी जाल (hail nets) या ओला-रोधी टोपी (hail caps) का उपयोग करें।
- ❖ जलभराव को रोकने के लिए खेतों में पानी की निकासी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करें। पके हुए फलों की तुड़ाई जल्द से जल्द कर लें। काटी गई उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें।
- ❖ भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी सलाह
- ❖ अरुणाचल प्रदेश में, काटी गई पतागोभी, मटर, सरसों, देर से पकने वाले धान और आलू की उपज को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचा दें। चावल, मक्का, अन्य खड़ी फसलों, सब्जियों और बागों वाले खेतों में पानी की उचित निकासी सुनिश्चित करें।
- ❖ असम में, फसल के खेतों में पानी जमा होने से बचने के लिए उचित जल निकासी बनाए रखें। पकी हुई फसलों की तत्काल कटाई को प्राथमिकता दें और उपज को किसी सूखे, ढके हुए गोदाम में पहुँचा दें। संवेदनशील नर्सरी-क्यारियों को ढकने के लिए प्लास्टिक शीट या अस्थायी जालों का उपयोग करें।
- ❖ मेघालय - गाजर, भिंडी और फ्रेंच बीन की बुवाई को कुछ समय के लिए टाल दें। मक्का, अदरक और टमाटर के खेतों में पानी की उचित निकासी की व्यवस्था करें। फसलों को गिरने से बचाने के लिए उन्हें डंडों या बांस का सहारा (staking) दें।
- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में, जलभराव को रोकने के लिए खेतों में पानी की उचित निकासी सुनिश्चित करें, विशेष रूप से अदरक, टमाटर और 'डाले खोरसानी' (Dalle Khorsani) के खेतों में। कद्दू-वर्गीय फसलों और 'डाले खोरसानी' की नर्सरियों को पॉलीथीन शीट या 'एग्रो-नेट' से ढककर सुरक्षित रखें, ताकि छोटे पौधों को नुकसान न पहुँचे। इसके अतिरिक्त, अदरक के खेतों में स्थानीय रूप से उपलब्ध मल्लिचंग सामग्री का उपयोग करें, ताकि वर्षा का सीधा प्रभाव पौधों पर कम से कम पड़े।

उच्च तापमान/लू के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी सलाह

- ❖ महाराष्ट्र - कोंकण क्षेत्र में, मूंग, सब्जियों और नए लगाए गए सुपारी तथा नारियल के पौधों की सिंचाई करें। विदर्भ क्षेत्र में, गर्मियों में उगाई जाने वाली मूंग, मूँगफली, प्याज, सूरजमुखी, तिल, चारा फसलों, बागों और सब्जियों की सिंचाई, आवश्यकतानुसार, हल्के और बार-बार अंतराल पर करें; यह सिंचाई दिन के ठंडे समय में की जानी चाहिए। सब्जियों और बागों वाली फसलों में वाष्पीकरण (पानी की कमी) को कम करने के लिए 'पुआल की मल्लिचंग' (straw mulch) का उपयोग करें, और नए लगाए गए पौधों के लिए 'शेड नेट' (छायादार जाल) लगाएँ।
- ❖ गुजरात - ग्वार फली (cluster bean), खीरा, तुरई (ridge gourd), लौकी, नेनुआ (sponge gourd) और करेला जैसी खड़ी फसलों की सिंचाई, सुबह या शाम के समय, हल्के और बार-बार अंतराल पर करें। मूँगफली की सिंचाई, उसमें फूल आने और 'पेगिंग' (जमीन में जड़ें फैलने) की अवस्था में करें। □ ओडिशा - धान, गर्मी के मक्का, मूंग, उड़द, मूँगफली और सब्जियों के खेतों में हल्की सिंचाई करें। आम और काजू की फसलों में मिट्टी की नमी का उचित स्तर बनाए रखना सुनिश्चित करें।
- ❖ मध्य प्रदेश - आवश्यकतानुसार मक्का, मूंग, उड़द, मूँगफली और सब्जियों की फसलों में हल्की सिंचाई करें।
- ❖ छत्तीसगढ़ - रबी मक्का, केला और पपीते के बागानों में खरपतवार निकालने और गुड़ाई करने के बाद हल्की सिंचाई करें। गेहूँ और चने की कटाई पूरी करें और उनके सुरक्षित भंडारण की व्यवस्था करें।
- ❖ बिहार - खड़ी फसलों में हल्की और बार-बार सिंचाई करें। मिट्टी की नमी के नुकसान को कम करने के लिए फसल के अवशेष, पुआल या पॉलीथीन से मल्लिचंग करें। फलों के पौधों को अधिक तापमान से बचाने के लिए अस्थायी शेड नेट का उपयोग करें।
- ❖ तटीय आंध्र प्रदेश - धान, रबी मक्का, ज्वार, चना, मूँगफली, तिल, गन्ना, सब्जियाँ और फलों के बागानों जैसी खड़ी फसलों में उचित नमी बनाए रखने के लिए हल्की सिंचाई करें।
- ❖ हिमाचल प्रदेश: गेहूँ, सरसों, बागवानी और टमाटर, शिमला मिर्च, पतागोभी व फूलगोभी, फ्रेंच बीन्स, खीरा, करेला, लौकी आदि जैसी सब्जियों की फसलों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।

- ❖ उत्तराखंड: सूरजमुखी, चारे वाले मक्का, टमाटर, बैंगन आदि की फसलों में सिंचाई करें।
- ❖ □ पंजाब और हरियाणा - गर्मी की मूंग, कपास, सब्जियां, आम, अमरूद और लोकाट जैसी खड़ी फसलों में उचित नमी बनाए रखने के लिए हल्की सिंचाई करें।
- ❖ उत्तर प्रदेश - हाइब्रिड मक्का, ज़ायद उड़द, मूंग, सब्जियां और गन्ना जैसी खड़ी फसलों में उचित नमी बनाए रखने के लिए हल्की सिंचाई करें।
- ❖ राजस्थान - ज़ायद मूंग, अमेरिकन कपास व देसी कपास, भिंडी, तरबूज, खरबूजा, टिंडा, खीरा और ककड़ी जैसी खड़ी फसलों में उचित नमी बनाए रखने के लिए हल्की सिंचाई करें।
- ❖ तमिलनाडु - गन्ना, कपास, केला और मिर्च की फसलों में वाष्पोत्सर्जन (evapotranspiration) को कम करने के लिए सिंचाई और मल्लिचंग करें।
- ❖ केरल - केले के पौधों और नारियल के पेड़ों में सिंचाई करें। यह सुनिश्चित करें कि मिट्टी में पर्याप्त नमी बनी रहे।
- ❖ गांगेय पश्चिम बंगाल - मिट्टी की नमी बनाए रखने के लिए गर्मी की फसलों और सब्जियों में हल्की सिंचाई करें।
- ❖ खड़ी फसलों में मिट्टी की नमी को संरक्षित करने के लिए मल्लिचंग करें। आंधी / तेज़ हवाओं के संभावित असर के लिए कृषि-मौसम संबंधी सलाह
- ❖ कटी हुई फसल को सुरक्षित जगहों पर ले जाएं या खेतों में ही उसे तिरपाल की चादरों से ढक दें। कटी हुई फसलों को मज़बूती से बांधें और उन्हें ढक दें, ताकि ज़मीन पर चलने वाली तेज़ हवाओं से उनके उड़ने का खतरा कम हो सके।
- ❖ बागवानी फसलों को यांत्रिक सहारा दें, और तेज़ हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सब्जियों और फलों के छोटे पौधों / फल देने वाले पौधों को डंडों या सहारे से बांधें।

पशुधन / मुर्गीपालन / मत्स्यपालन

- ❖ भारी बारिश के दौरान जानवरों को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार दें।
- ❖ चारा और पशु आहार को सुरक्षित जगह पर रखें, ताकि वे खराब न हों।
- ❖ संपर्क करें

किंवदंतियाँ और संक्षिप्त रूप:

भारी बारिश: 64.5-115.5mm; बहुत भारी बारिश: 115.6-204.4mm; अत्यधिक भारी बारिश: >204.4mm.

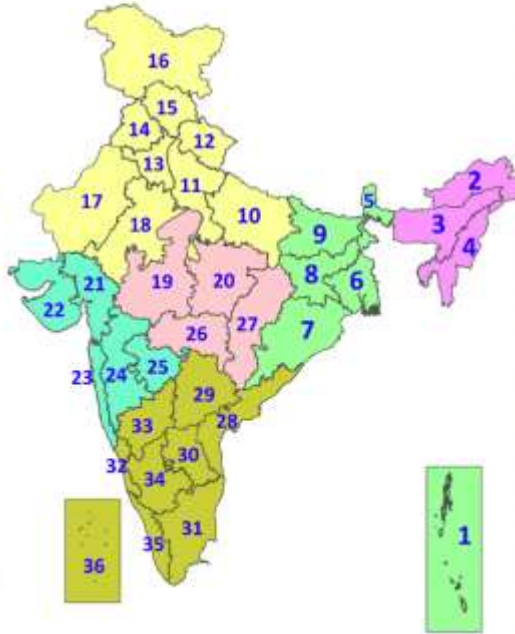
Obsy: वेधशाला; स्वचालित मौसम स्टेशन; ARG: स्वचालित वर्षा गेज; dist: जिला; NH: राष्ट्रीय राजमार्ग; KVK: कृषि विज्ञान केंद्र; DVC: दामोदर घाटी निगम; PTO: अंशकालिक कार्यालय, Aero: हवाई अड्डा, IAF: भारतीय वायु सेना।

मौसम विज्ञान उप-मंडलों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र (जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिमी भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसेमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

- | | | |
|----------------------|----------------------|--------------|
| Fog | Heavy Snow | Cold Wave |
| Heavy Rain | Dust Storm | Cold Day |
| Very Heavy Rain | Heat Wave | Ground Frost |
| Extremely Heavy Rain | Warm Night | |
| Thunder & Lightning | Hot Day | |
| Hailstorm | Hot & Humid | |
| Dust Raising Winds | Strong Surface Winds | |

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *

Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm *
Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm*
Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm *

Heat Wave

When maximum temperature of a station reaches $\geq 40^{\circ}\text{C}$ for plains and $\geq 30^{\circ}\text{C}$ for hilly regions

(a) Based on Departure from normal

Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal 4.5°C to 6.4°C .

Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal $\geq 6.5^{\circ}\text{C}$

(b). Based on Actual maximum temperature

Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 45^{\circ}\text{C}$.

Severe Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 47^{\circ}\text{C}$

(c). Criteria for heat wave for coastal stations

When maximum temperature departure is $> 4.5^{\circ}\text{C}$ from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature $\geq 37^{\circ}\text{C}$

Warm Night

When maximum temperature remains 40°C

Warm Night: When minimum temperature departure 4.5°C to 6.4°C .

Severe Warm Night: When minimum temperature departure $> 6.4^{\circ}\text{C}$.

Cold Wave

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions.

(a). Based on departure

Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$

(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)

Cold Wave : When Minimum Temperature is $\leq 4.0^{\circ}\text{C}$

Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is $\leq 2.0^{\circ}\text{C}$

(c) For Coastal Stations

When Minimum Temperature departure is $\leq -4.5^{\circ}\text{C}$ & actual Minimum Temperature is $\leq 15^{\circ}\text{C}$

Cold Day

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions

Based on departure

Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$

Fog

Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility $< 1\text{km}$

Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres

Dense Fog: when the visibility between 50- 200 metres

Very Dense Fog: when the visibility < 50 metres

Thunderstorm

Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)

Dust/Sand Storm

An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.

Frost

Ice deposits on ground

Air temperature $\leq 4^{\circ}\text{C}$ (over Plains)

Squall

A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.

Moderate: Wind speed 52-61 kmph

Severe: Wind speed 62-87 kmph

Very Severe: Wind speed > 87 kmph

Sea State

Effect of various waves in the sea over specific area

Rough to very rough: Wind speed 41-82 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre

High to very high: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre

Phenomenal: Wind speed > 117 kmph (> 63 knots) & Wave height > 14 metre

Cyclone

Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots)

Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots)

Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-185 kmph (64 - 89 knots)

Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots)

Super Cyclone Storm: Wind speed > 220 kmph (> 119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)